वर्ष :-1 अंक:-292 4,दिसंबर,2025 गुरुवार

अपना नालंदा डिजिटल अखबार पर कम खर्च में बड़ा प्रचार पाएं। आपका व्यवसाय पहुंचे हजारों लोगों तक—विश्वसनीय, स्थानीय और प्रभावी विज्ञापन सेवा के साथ। अपना विज्ञापन देने के लिए आज ही संपर्क करें: 9031468165.

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

नालंदा का नंबर -1 डिजिटल अखबार www.apnanalanda.com

हॉस्पिटल मोड़ से अतिक्रमण हटाने हेतु ठेले और दुकानों को 10 दिसंबर तक खाली करने का आदेश

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नगर प्रशासन ने शहर के अत्यधिक व्यस्त और महत्वपूर्ण चौराहों में शामिल हॉस्पिटल मोड़ को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने बताया कि हॉस्पिटल मोड़ पर रोजाना अत्यधिक भीड़-भाड़ की स्थिति रहती है, जिसके कारण एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड जैसे आपातकालीन वाहनों के आवागमन में लगातार बाधा उत्पन्न होती है। आसपास ही सदर अस्पताल, टाउन हॉल, श्रम कल्याण मैदान सहित कई महत्वपूर्ण कार्यालय एवं संस्थान स्थित होने से क्षेत्र की संवेदनशीलता और बढ़ जाती है।

अतिक्रमण मुक्त बिहारशरीफ अभियान के तहत नगर प्रशासन ने विशेष आदेश जारी करते हुए कहा है कि हॉस्पिटल मोड़ पर स्थित सभी ठेलासंचालक, फास्ट फूड विक्रेता एवं अस्थायी दुकानें लगाने वाले व्यक्ति 10 दिसंबर 2025 तक अपना ठेला और दुकानें हटाकर नाला रोड/आनंद मार्ग स्थित सड़क रेखा के पीछे स्थानांतरित कर लें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित स्थान पर सभी लोग अपनी व्यावसायिक गतिविधि सुचारू रूप से जारी रख सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, प्रशासन ने यह भी निर्देश दिया है कि हॉस्पिटल मोड़ पर स्थित फास्ट फूड विक्रेता संध्या 7 बजे के बाद ही अपना आउटलेट लगा सकते हैं, वह भी इस शर्त पर कि यातायात में बाधा उत्पन्न न हो। सभी विक्रेताओं को परिसर में स्वच्छता बनाए रखने, डस्टबिन का उपयोग सुनिश्चित करने तथा कचरा सड़क पर न फेंकने का निर्देश दिया गया है।

नगर प्रशासन ने चेतावनी दी है कि निर्देशों का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्तियों पर त्वरित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है।

मेधा दिवस समारोह में नालंदा डीएम कुंदन कुमार को शिक्षा सुधार हेतु मिला विशेष सम्मान

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बुधवार को पटना स्थित ज्ञान भवन, सम्राट अशोक कन्वेंशन हॉल में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित “मेधा दिवस” समारोह में नालंदा जिले के पदाधिकारी कुंदन कुमार को सम्मानित किया गया। समिति ने उन्हें प्रशस्ति पत्र, आई-पैड एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया।

यह सम्मान माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2025 के स्वच्छ, कदाचारमुक्त और सफल संचालन में नालंदा जिला प्रशासन द्वारा दिए गए उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। परीक्षा के दौरान उत्तर पुस्तिकाओं की बारकोडिंग, मूल्यांकन व्यवस्था और संपूर्ण परीक्षा प्रक्रिया को सुचारू व पारदर्शी बनाने में प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका को समिति ने सराहा।

मेधा दिवस का आयोजन भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती के अवसर पर किया गया। डॉ. प्रसाद की शैक्षणिक एवं नैतिक मूल्यों की प्रेरणा को ध्यान में रखते हुए राज्यभर में शिक्षा की गुणवत्ता और परीक्षा प्रणाली में सुधार हेतु उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

समारोह में उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने नालंदा जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

नालंदा प्रशासन ने बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को इस सम्मान के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि जिले में पारदर्शी, अनुशासित और कदाचारमुक्त परीक्षा प्रणाली को और अधिक मजबूत करने की दिशा में प्रोत्साहन का कार्य करेगी।

राजगीर महोत्सव 2025 की तैयारियों पर डीएम ने समीक्षा बैठक की

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। पर्यटन विभाग, बिहार एवं जिला प्रशासन, नालंदा के संयुक्त तत्वावधान में राजगीर महोत्सव-2025 का आयोजन 19 दिसंबर से 21 दिसंबर 2025 तक राजगीर में किया जाना है। महोत्सव को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी नालंदा कुंदन कुमार द्वारा कुल 32 कोषांगों का गठन किया गया है तथा संबंधित कार्य एवं दायित्व पदाधिकारियों और कर्मियों को सौंपे गए हैं।

इसी क्रम में 02 दिसंबर 2025 को शहीद हरदेव भवन के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों, सहायक नोडल पदाधिकारियोंतथा वरीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी अधिकारी व्यक्तिगत रुचि और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें ताकि राजगीर महोत्सव-2025 को भव्य एवं हर्षोल्लासपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जा सके।

राजगीर महोत्सव के दौरान आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों—सांस्कृतिक कार्यक्रम, ग्रामश्री मेला, कृषि मेला, पुस्तक मेला सहित अन्य आकर्षणों—को समय पर सम्पादित करने के लिए आवश्यक फर्मों एवं एजेंसियों का चयन निविदा प्रक्रिया के माध्यम से कर लिया गया है।

जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने-अपने दायित्वों का समय पर एवं समर्पित भाव से निर्वहन सुनिश्चित करें, जिससे आयोजन में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो। प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि इस वर्ष का महोत्सव अधिक व्यवस्थित, आकर्षक और दर्शनीय होगा।

धान खरीद कमीशन बढ़ाने की मांग, सांसद कौशलेन्द्र ने लोकसभा में उठाया मुद्दा

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा के लोकसभा सदस्य कौशलेन्द्र कुमार ने बुधवार को लोकसभा के शून्यकाल के दौरान बिहार के किसानों और धान खरीद करने वाली निबंधित समितियों की आर्थिक समस्याओं को मजबूती से उठाया। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा वर्ष 2011-12 में निर्धारित नियमों के तहत समितियों को केवल 2.5 प्रतिशत कमीशन दिया जा रहा है। यह कमीशन आज भी उसी वर्ष के एमएसपी के आधार पर भुगतान किया जाता है, जबकि बीते 14 वर्षों में एमएसपी में लगातार वृद्धि हुई है। इस कारण निबंधित समितियों को अत्यधिक आर्थिक नुकसान हो रहा है।

सांसद ने मांग की कि बिहार में धान खरीद करने वाली सभी निबंधित समितियों को हर वर्ष निर्धारित एमएसपी दर का 2.5 प्रतिशत कमीशन प्रदान किया जाए। इसके अतिरिक्त आकस्मिक व्यय, परिवहन, मजदूरी, भंडारण और रखरखाव मद में दी जाने वाली राशि में कम से कम 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी बताया कि धान कुटाई दर—अरवा चावल के लिए 10 रुपये तथा उसना चावल के लिए 29.45 रुपये—भी वर्ष 2011-12 से अपरिवर्तित है, जबकि बीते वर्षों में महंगाई दर कई गुना बढ़ चुकी है। अतः इन दरों में भी तात्कालिक संशोधन आवश्यक है।

सांसद ने धान सुखावन मद में प्रति क्विंटल 2.5 प्रतिशत नुकसान राशि भुगतान की भी व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इन बिन्दुओं पर कार्रवाई होने से बिहार के किसानों और निबंधित समितियों को राहत मिलेगी तथा उनकी आर्थिक क्षति की भरपाई हो सकेगी।

SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD
COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED
RERA
APPROVED
APPROVED
"BOOKINGS ARE NOW OPEN !"
BOOK
3BHK PREMIUM FLAT
Project Registration Number
BRERAP19200101102525043 2E00
₹ 4251/*SQ.FT.
60%
Free Area
COMFORT, LUXURY
WELLNESS
Amenities
Swimming Pool
Vastu Compliant Design
Kids' Play Area
Volleyball / Badminton Court
Cricket net pitch
Landscape & Roof Top Garden
Temple in Premises
Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
100% Power Backup
Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
EV Reserved Car Parking
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004, 7280027960
60018 06049, 96615 74892
Contact us today to book your site visit!

जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025 का शुभारंभ, युवाओं ने दिखाया उत्साह

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बुधवार को अपर समाहर्ता नालंदा मनीष शर्मा एवं अनुमंडल पदाधिकारी बिहारशरीफ वैभव नितिन काजले ने टाउन हॉल (कर्पूरी भवन) में दीप प्रज्वलित कर जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025 का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। अधिकारियों ने कहा कि युवा उत्सव प्रतिभा संवर्द्धन का एक प्रभावी मंच है, जिसका उद्देश्य युवाओं में रचनात्मकता, कला, अभिव्यक्ति क्षमता तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करना है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में आत्मविश्वास, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और सामाजिक सहभागिता मजबूत होती है।

यह युवा उत्सव 03 दिसंबर से 04 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें समूह लोकनृत्य, समूह लोकगीत, वक्तृता, कहानी लेखन, कविता लेखन, चित्रकारी एवं विज्ञान मेला जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। प्रतियोगिताओं के सुचारू संचालन के लिए अलग-अलग समितियों का गठन किया गया है तथा प्रतिभागियों की सुविधा हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। पंजीयन, मंच प्रबंधन, मूल्यांकन एवं पुरस्कार वितरण के लिए अलग दल तैनात किए गए हैं।

कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। बड़ी संख्या में दर्शकों ने नृत्य, संगीत, भाषण एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया।

इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि युवा उत्सव का लक्ष्य युवाओं में सृजनात्मकता, नेतृत्व क्षमता, सांस्कृतिक चेतना तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देना है। जिला प्रशासन भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

कार्यक्रम में शालिनी प्रकाश, जिला कला संस्कृति पदाधिकारी, स्नेहा, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, अर्चना कुमारी, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (ICDS) सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बाल संसद ने किया स्वागत, अतिथि शिक्षकों ने बच्चों को दी महत्वपूर्ण सीख

अस्थावां (अपना नालंदा)। प्रखण्ड के अमावां पंचायत स्थित प्राथमिक विद्यालय मानपुर में मध्यांतर के बाद +2 उच्च विद्यालय अमरावती, प्रखंड बिंद के किशोर कुणाल और संगीत शिक्षक मानपुर केस स्टडी के लिए पहुंचे। विद्यालय में पहुंचने पर बाल संसद की प्रधानमंत्री सपना कुमारी ने परंपरागत तरीके से गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया।

अतिथियों ने बच्चों के साथ अनुशासन, प्रतियोगिता, छात्र जीवन व शिक्षकीय मूल्यों पर विस्तृत बातचीत की। विद्यार्थियों ने भी उनसे कई महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए। अतिथि शिक्षकों ने विद्यालय परिवार को प्रधानमंत्री सपना कुमारी के माध्यम से विभिन्न उपहार भेंट किए, जिससे बच्चों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।विद्यालय परिसर में उपस्थित छात्रों ने करतल ध्वनि से अतिथियों संवादका स्वागत किया और उनसे उत्साह पूर्वक किया। उन्होंने बच्चों द्वारा किए जा रहे रचनात्मक कार्यों और प्रॉजेक्ट वर्क की सराहना की।विद्यालय प्रधान सूर्यकान्त सिंह कांत ने अतिथि शिक्षकों के रचनात्मक कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने छात्रों को अपने अतीत के अनुभव भी साझा किए, जिससे बच्चों को सीखने की नई प्रेरणा मिली।

किशोर कुणाल वर्तमान में बिहार पंचायत नगर प्रारम्भिक शिक्षक संघ, जिला इकाई नालंदा के राज्य प्रतिनिधि हैं। विद्यालय परिवार और संगठन ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।अतिथि शिक्षकों के विदा होने तक विद्यालय में हर्ष और उत्साह का वातावरण बना रहा।

नालन्दा विश्वविद्यालय ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद जयंती पर 'सहभागिता संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालन्दा विश्वविद्यालय ने भारत के प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती के अवसर पर राजगीर स्थित अपने सिटी कैंपस में 'सहभागिता संवाद' शीर्षक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कॉमन आर्काइवल रिसोर्स सेंटर (सीएआरसी) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य अभिलेखीय धरोहरों को जन-सामान्य तक पहुँचाना, विद्यार्थियों को डॉ. प्रसाद के व्यक्तित्व एवं मूल्यों से अवगत कराना तथा देश की ऐतिहासिक विरासत के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना था।कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों की एक सारगर्भित पैनल-चर्चा से हुई, जिसमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद के राजनीतिक, सामाजिक और संवैधानिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इसके बाद स्थानीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने डॉ. प्रसाद की जीवन-यात्रा प्रेरित अभिव्यक्तियाँ प्रस्तुत कीं। तत्पश्चात अभिलेखीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया, जिसमें डॉ. प्रसाद के जीवन से जुड़े अनेक दुर्लभ दस्तावेज पहली बार सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किए गए। इनमें उनके द्वारा लिखे गए मूल पत्र, हस्तलिखित टिप्पणियाँ, स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित पत्राचार, संविधान सभा काल की सामग्री और महत्वपूर्ण ऐतिहासिक छायाचित्र शामिल रहे। प्रदर्शनी में उच्च-रिज़ॉल्यूशन डिजिटल स्टेशनों और आकर्षक प्रदर्शन केसों का प्रयोग कर उनके सादगीपूर्ण, अनुशासित और राष्ट्रसेवा से ओत-प्रोत जीवन को दर्शाया गया।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, कर्मचारी, स्थानीय विद्यालयों के शिक्षक-विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। नालन्दा विश्वविद्यालय ने अपनी अभिलेखीय संपदा को समुदाय के लिए उपलब्ध कराते हुए सार्वजनिक इतिहास और सहभागी अधिगम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।इस पहल के माध्यम से विश्वविद्यालय ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के नैतिक नेतृत्व, सादगी और राष्ट्र-निर्माण के आदर्शों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

नालंदा विश्वविद्यालय में वैश्विक छात्रों ने 300 पौधों का सामूहिक रोपण किया

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय के राजगीर परिसर में 30 नवंबर को नवनिर्मित लाइब्रेरी के पास सामूहिक वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया, जिसमें विश्व के विभिन्न देशों से आए छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य परिसर में हरियाली बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना था।

प्राचीन नालंदा पुस्तकालय की विरासत से प्रेरित होकर नवनिर्मित लाइब्रेरी परिसर के चारों ओर कुल 2,000 पौधे लगाए जाने की योजना है। इसी क्रम में बीते रविवार छात्रों ने लगभग 300 पौधों का रोपण किया। विविध पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और अंतरराष्ट्रीय छात्रों ने मिलकर निर्धारित ग्रीन ज़ोन में पौधारोपण कर नालंदा विश्वविद्यालय की एकता, पर्यावरणीय चेतना और प्रकृति से जुड़ाव की भावना को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया।

अभियान के दौरान आम, अमरूद, चीकू, सफेदा जैसे फलदार वृक्षों के साथ-साथ स्थानीय प्रजातियों, औषधीय पौधों और छायादार पेड़ों का भी रोपण किया गया, जिससे परिसर में भविष्य में एक समृद्ध फलोद्यान और हरित क्षेत्र विकसित हो सके।

लाइब्रेरी परिसर के आसपास लैंडस्केपिंग का कार्य जारी है, जिसके उत्तर-पूर्वी कोने में एक सुंदर तालाब और पारंपरिक आहर का निर्माण भी किया जा रहा है। यह प्राकृतिक संरचना परिसर की जैव विविधता को बढ़ाएगी और विभिन्न जीव-जंतुओं एवं पक्षियों के लिए सुरक्षित आवास उपलब्ध कराएगी।

कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने छात्रों की पहल की सराहना करते हुए कहा कि वृक्षारोपण जैसी गतिविधियाँ परिसर के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करती हैं और विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण की नैतिक जिम्मेदारी का बोध कराती हैं।

यह अभियान विश्वविद्यालय के उस संकल्प का हिस्सा है, जिसके तहत पूरा परिसर नेट-ज़ीरो ऊर्जा, जल, अपशिष्ट और कार्बन प्रबंधन जैसी सतत प्रक्रियाओं को अपनाकर एक पर्यावरण-अनुकूल मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

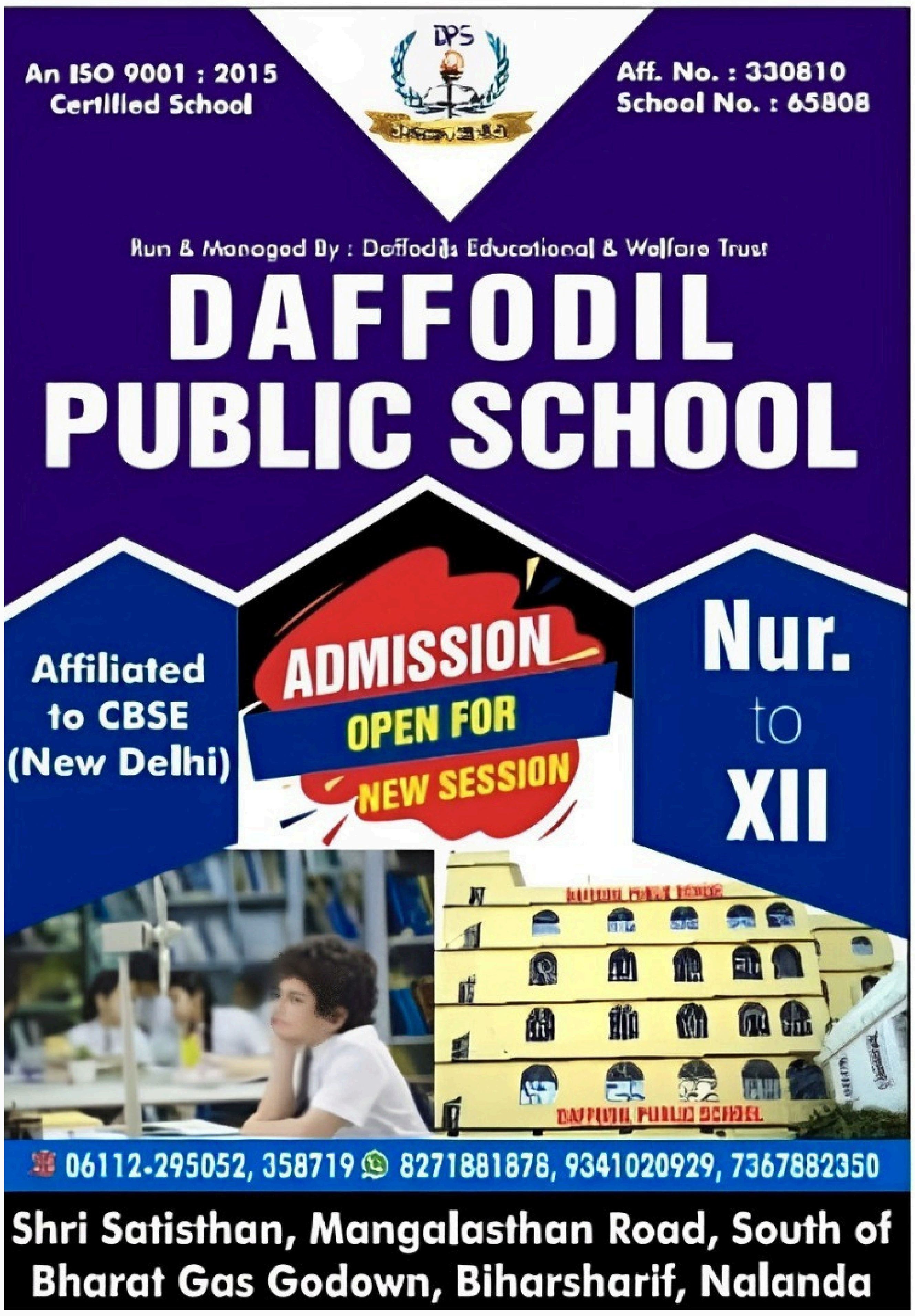

नालंदा में सक्षम संगठन ने दिव्यांग दिवस पर जागरूकता व सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित किया

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राष्ट्रीय दिव्यांग संगठन 'सक्षम' की नालंदा जिला इकाई द्वारा बुधवार को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भराव स्थित गौरक्षणी देव निकेतन परिसर में आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता जिला मंत्री राणा गोपाल सिंह ने की। कार्यक्रम में सक्षम के दक्षिण बिहार प्रांत अध्यक्ष डॉ. कांत मनु चौरसिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. चौरसिया ने कहा कि सक्षम संगठन दिव्यांगजनों के अधिकारों, सुविधाओं और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि संगठन का लक्ष्य दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ना, आवश्यक सरकारी योजनाओं से लाभान्वित कराना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहयोग देना है। उन्होंने उपस्थित दिव्यांगजनों से कहा कि वे अपने अधिकारों व उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक रहें और संगठन के साथ निरंतर जुड़े रहें।

इस अवसर पर संगठन के सदस्यों ने दिव्यांगजनों की समस्याओं, दैनिक चुनौतियों और आवश्यक सुविधाओं पर चर्चा की। प्रतिभागियों ने समाज में दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने, सार्वजनिक स्थानों पर सुलभ व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा शिक्षा–रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में समाजसेवी राजीव रंजन, संजय कुमार, मनोज उपाध्याय, राकेश चौधरी, धर्मेंद्र यादव, तुंगी के नवल सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा और उनके कल्याण हेतु संगठन की पहल की सराहना की।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम नालंदा जिले में सामाजिक सहभागिता और दिव्यांग सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

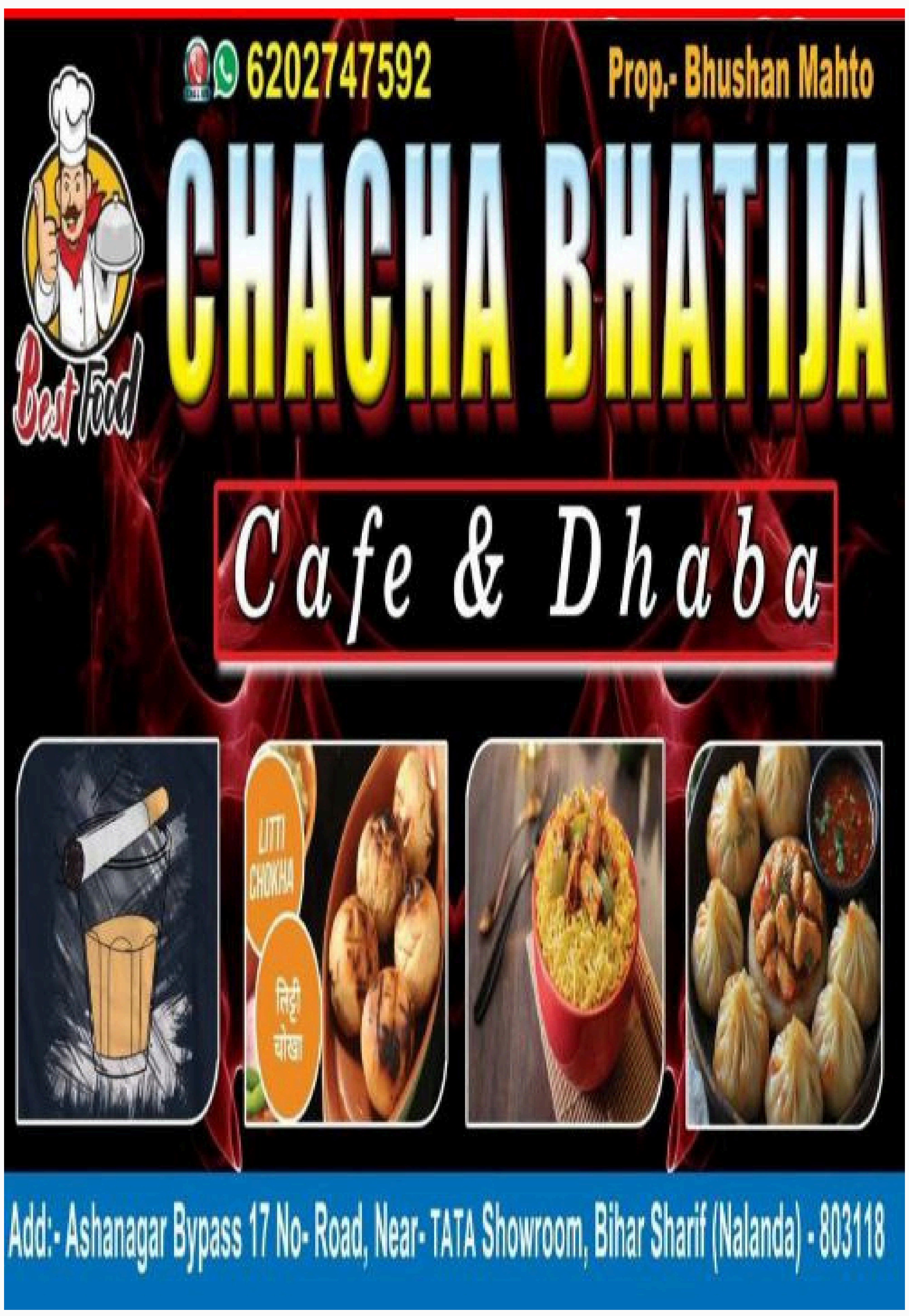

मिशन हरियाली नूरसराय ने पर्यावरण संरक्षण हेतु 650 पौधे किए वितरित

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय बाजार के रांची रोड स्थित क्षेत्र में मिशन हरियाली नूरसराय द्वारा मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए कुल 650 पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। पौधों में 300 कटहल, 300 अमरूद और 50 महोगनी के पौधे शामिल थे।

संगठन ने बताया कि पौधों का वितरण उन इच्छुक लोगों को किया गया, जो अपनी निजी जमीन पर पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संवर्धन में योगदान देना चाहते हैं। मिशन हरियाली नूरसराय का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर लोगों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना, जैव विविधता बढ़ाना और जलवायु संतुलन की दिशा में सामुदायिक प्रयासों को मजबूत करना है।

कार्यक्रम के दौरान लोगों में पौधारोपण के महत्व, पेड़ों की देखभाल और दीर्घकालिक पर्यावरणीय लाभों के बारे में भी जागरूकता फैलाई गई।

मौके पर मिशन हरियाली नूरसराय के अभिषेक आर्यन, हिमांशु सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

संगठन ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे वितरण और पौधारोपण कार्यक्रम जारी रहेंगे, ताकि क्षेत्र में अधिक से अधिक हरियाली विकसित की जा सके।

जैविक खेती अपनाने पर जोर, वैज्ञानिकों ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड जरूरी बताया

विजय प्रकाश उर्फ पिन्नू

नुरसराय (अपना नालंदा)। बुवाई का सीजन शुरू होते ही विशेषज्ञों ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के साथ जैव उर्वरकों के अनिवार्य उपयोग की अपील की है। प्राकृतिक खेती जिला निगरानी समिति के सदस्य वीर अभिमन्यु सिंह ने नुरसराय प्रखंड के कठनपुरा गांव में आयोजित कृषि चौपाल में कहा कि वैज्ञानिकों के अनुसार खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग हमेशा मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर करना चाहिए, ताकि मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहे और उत्पादन भी बेहतर हो।

उन्होंने बताया कि कम लागत में जैव उर्वरकों से बीजोपचार करने से गेहूं सहित विभिन्न फसलों में उत्पादन बढ़ता है। बीजोपचार के लिए एजोटोबैक्टर तथा फास्फेट घोलक जीवाणु (पीएसबी) को 10 से 15 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से प्रयोग करना चाहिए, जिससे 15-20 प्रतिशत तक नाइट्रोजन और फास्फोरस की बचत संभव है।

सिंह ने कहा कि डीएपी, एसएसपी, एनपीके जैसे रासायनिक उर्वरकों के लगातार उपयोग से मिट्टी में 80-85 प्रतिशत फास्फोरस अनुपलब्ध अवस्था में रह जाता है। ऐसे में ट्राइकोडर्मा और पीएसबी का मिश्रण 100 किलो पुराने गोबर की खाद में मिलाकर एक सप्ताह छाया में रखने के बाद अंतिम जुताई के समय प्रयोग करने से मिट्टी की संरचना सुधरती है और उर्वरकों की खपत कम होती है।

उन्होंने चेतावनी दी कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल देश के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। WHO की रिपोर्ट के अनुसार, यदि किसानों ने समय रहते रसायनों का उपयोग नियंत्रित नहीं किया तो वर्ष 2040 तक 30 प्रतिशत आबादी कैंसर, बीपी और डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों की चपेट में आ सकती है।

चौपाल में बीटीएम सुप्रिया भारती ने प्राकृतिक खेती, फसल अवशेष प्रबंधन, बीज वितरण, यांत्रिकरण एवं कृषि योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

हार्वेस्टर कटाई के बाद पराली जलाने से बढ़ा प्रदूषण, किसानों को चेतावनी

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों आधुनिक कृषि उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। मजदूरी संकट और समय की कमी को देखते हुए किसान बड़े पैमाने पर हार्वेस्टर मशीनों से धान की कटाई करा रहे हैं। हार्वेस्टर के प्रयोग से जहां किसानों का समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है, वहीं कटाई के बाद खेतों में बची पराली जलाने की प्रवृत्ति चिंताजनक रूप से बढ़ती जा रही है।पराली जलाने से न केवल मिट्टी की उर्वरक क्षमता घटती है, बल्कि वायु प्रदूषण भी गंभीर स्तर पर पहुंच जाता है। धुएं के कारण गांवों का वातावरण धुंधला हो रहा है और इसका सीधा असर जनस्वास्थ्य पर पड़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, पराली जलाने से मिट्टी में मौजूद अनेक लाभकारी जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की गुणवत्ता लगातार कमजोर होती जाती है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी कपिल देव पासवान ने बताया कि पराली जलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। कृषि विभाग ऐसे किसानों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें तीन वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट करेगा, जिससे वे सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाएंगे। दूसरी बार पराली जलाते पकड़े जाने पर संबंधित किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन द्वारा कई बार जागरूकता अभियान चलाने के बावजूद पराली जलाने की घटनाएं कम नहीं हो रही हैं। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि आधुनिक तकनीक किसानों के लिए वरदान है, लेकिन जागरूकता के अभाव में यह नुकसानदायक भी बन रही है।ग्रामीणों ने कृषि विभाग और स्थानीय प्रशासन से प्रभावी कदम उठाने तथा पराली प्रबंधन के वैकल्पिक उपाय उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि खेती और पर्यावरण दोनों को सुरक्षित रखा जा सके।

हरेका में नए डीएमओ डॉ. लवली सिंह का ईसीआरकेयू ने किया स्वागत

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय हरेका में नए डीएमओ के रूप में पदस्थापित हुईं डॉ. लवली सिंह का बुधवार को ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मी यूनियन (ईसीआरकेयू) की ओर से स्वागत किया गया। यूनियन के शाखा सचिव पूर्णानंद मिश्रा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर उन्हें पुस्तक भेंटकर सम्मानित किया।नए डीएमओ के कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व यहां डॉ. असीम अहमद पदस्थापित थे, जिनका तबादला पटना स्थित सेंट्रल अस्पताल में कर दिया गया है। वे जल्द ही उच्च शिक्षा अवकाश (हायर एजुकेशन लीव) पर जाने वाले हैं। स्वागत सह विदाई कार्यक्रम के दौरान डॉ. असीम अहमद एवं डॉ. करिश्मा भी मौजूद रहीं।ईसीआरकेयू के प्रतिनिधि मंडल ने डॉ. लवली सिंह से मुलाकात कर उन्हें कारखाना परिसर में चिकित्सा से जुड़ी वर्तमान परिस्थितियों, कर्मचारियों की स्वास्थ्य-संबंधी आवश्यकताओं तथा चिकित्सा सेवाओं के सुचारू संचालन से जुड़े बिंदुओं से अवगत कराया। यूनियन ने भरोसा दिलाया कि सभी कर्मचारी एवं सदस्य उनके साथ पूर्ण सहयोग करेंगे तथा चिकित्सा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने में हर संभव मदद करेंगे।प्रतिनिधिमंडल ने आशा व्यक्त की कि नए डीएमओ के कार्यभार संभालने से हरेका में चिकित्सकीय सुविधाएँ और बेहतर होंगी तथा कर्मचारियों को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त होंगी।प्रतिनिधि मंडल में शाखाध्यक्ष महेश महतो, कोषाध्यक्ष मनोज मिश्र, उपाध्यक्ष रंजीत, डीटीजीएम मंजय, शाखा पार्षद मृत्युंजय सहित सतीश, प्रभात, चंदन, मधुरेंद्र, कवींद्र आदि सदस्य उपस्थित थे।भीतर किया जाए और राजस्व वसूली में तेजी लाकर लक्ष्य को पूरा किया जाए। नए बिजली कनेक्शन के लिए पात्र उपभोक्ताओं को निर्धारित समय पर सुविधा उपलब्ध कराने पर भी बल दिया गया।ऊर्जा सचिव ने स्मार्ट मीटर स्थापना में विलंब कर रही एजेंसियों पर कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि उपभोक्ता सुविधा में किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, लंबित बिजली बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं को नोटिस जारी करने का निर्देश भी दिया गया।उन्होंने साइबर सुरक्षा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए सभी कार्यालयों में अनधिकृत डिजिटल टूल के उपयोग पर रोक लगाने का आदेश दिया। बैठक में कुसुम योजना की अद्यतन प्रगति की भी समीक्षा की गई।अंत में, ऊर्जा सचिव ने अधिकारियों को उपभोक्ता-हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

एसडीओ ने नव विद्युत पावर सब स्टेशन निर्माण स्थल का किया निरीक्षण

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी, बिहारशरीफ द्वारा बाबा मणिराम अखाड़ा के निकट प्रस्तावित नव विद्युत पावर सब स्टेशन के निर्माण हेतु चिन्हित भूमि का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भूमि की स्थिति, उपलब्ध क्षेत्रों और आगामी निर्माण कार्य की आवश्यकताओं का जायजा लिया गया।

इस मौके पर विद्युत प्रमंडल बिहारशरीफ के कार्यपालक अभियंता तथा अंचल अधिकारी, बिहारशरीफ भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने संयुक्त रूप से स्थल की भौतिक स्थिति का मूल्यांकन किया और निर्माण प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा की।अनुमंडल पदाधिकारी ने उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सब स्टेशन निर्माण से जुड़ी सभी प्रशासनिक और तकनीकी औपचारिकताओं को शीघ्रता से पूरा किया जाए, ताकि कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रारंभ हो सके।

नए पावर सब स्टेशन के निर्माण से स्थानीय क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

गुप्त सूचना पर बेन पुलिस की कार्रवाई: दो अलग-अलग मामलों में दो अभियुक्त गिरफ्तार

बेन (अपना नालंदा)। थाना पुलिस अधिकारी श्याम सुंदर राम ने बताया कि कांड संख्या 249/25 के अभियुक्त राहुल कुमार (उम्र 25 वर्ष), पिता अयोध्या सिंह, निवासी केंदुआ बीघा, थाना–बेन, नालंदा को गुप्त सूचना के आधार पर उनके घर से गिरफ्तार किया गया। ।अभियुक्त को प्राथमिक कार्रवाई के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

इसी क्रम में, थाना गेट के पास नशे की हालत में पाए गए पटेल पासवान, पिता कांता पासवान, निवासी कुतलूपुर, थाना–बेन, नालंदा को शराब सेवन की पुष्टि होने पर गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया

हरनौत में छह वर्षीय बच्चे में एएफपी केस की पहचान, स्वास्थ्य विभाग सतर्क

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय बाजार निवासी उपेंद्र मालाकार के छह वर्षीय पुत्र आयुष कुमार में संदिग्ध एक्यूट फ्लेसिड पैरालिसिस (एएफपी) के लक्षण पाए गए हैं। बच्चे का बीते रविवार से निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। परिवार के अनुसार आयुष के चेहरे का एक हिस्सा टेढ़ा हो गया था तथा उसकी एक आंख भी ठीक से बंद नहीं हो रही थी। लक्षण गंभीर होने पर परिजन उसे हरनौत बाजार स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराए, जहां चिकित्सक डॉ. मुकेश कुमार की देखरेख में उसका इलाज शुरू किया गया।

इलाज की जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हुआ और सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल पहुंचकर बच्चे की स्थिति की जांच की। इस दौरान मामले से जुड़े प्रारंभिक तथ्य एकत्र किए गए तथा आगे की चिकित्सीय प्रक्रिया पर चर्चा की गई।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के ब्लॉक मॉनिटर भोला कुमार ने बताया कि ऐसे मामलों को स्वास्थ्य विभाग एक्यूट फ्लेसिड पैरालिसिस (AFP) की श्रेणी में रखता है। इस बीमारी में बच्चे के अंग अचानक से ढीले पड़ जाते हैं और गतिशीलता प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि एएफपी निगरानी कार्यक्रम के तहत ऐसे प्रत्येक मामले को गंभीरता से लिया जाता है, ताकि संभावित जोखिमों का समय पर आकलन किया जा सके।

.उन्होंने यह भी बताया कि इस मामले की विस्तृत जानकारी प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ राजीव रंजन सिन्हा को भेज दी गई है। स्वास्थ्य विभाग लगातार बच्चे के स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है और आवश्यक जांच व उपचार की प्रक्रिया जारी है।

स्थानीय स्तर पर प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की तत्परता से संभावना है कि बच्चे को समय पर उचित चिकित्सा उपलब्ध हो सकेगी।

थरथरी पुलिस की कार्रवाई, दो गांवों में 200 लीटर अर्धनिर्मित शराब नष्ट

थरथरी (अपना नालंदा)। थरथरी थाना पुलिस ने बुधवार को थाना क्षेत्र के अतवलचक और डीहा गांव में अवैध शराब निर्माण की सूचना पर बड़ी कार्रवाई की। पुलिस टीम ने दोनों स्थानों पर छापेमारी की, जहाँ से लगभग 200 लीटर अर्धनिर्मित शराब बरामद कर मौके पर ही नष्ट कर दी गई।थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि इन दोनों गांवों में अवैध तरीके से शराब का निर्माण और बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम तुरंत दलबल के साथ दोनों स्थानों पर पहुँची। पुलिस को देखते ही अवैध शराब तैयार करने में शामिल लोग मौके से फरार हो गए।पुलिस ने आसपास छानबीन कर अवैध रूप से तैयार की जा रही अर्धनिर्मित शराब और संबंधित सामग्री को जब्त किया तथा उसे नष्ट कर दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि अवैध शराब के धंधे में शामिल व्यक्तियों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।छापेमारी दल में दारोगा वलिन्द्र प्रसाद, अर्जुन पासवान, नवीन कुमार दूबे, विनोद होडों, तथा पुलिस बल के अन्य जवान शामिल थे।पुलिस ने कहा है कि क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण और बिक्री के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अस्ता गाँव में बंद घर से दस लाख की चोरी, पुलिस जांच में जुटी

थरथरी (अपना नालन्दा)। थरथरी प्रखंड के मेहत्रावां गांव में मंगलवार को मोबाइल पशु चिकित्सक इकाई के पहुंचने से पशुपालकों में उत्साह का माहौल देखा गया। अब गांव के किसान अपने बीमार पशुओं के उपचार और परामर्श के लिए सीधे हेल्पलाइन 1962 पर कॉल कर सुविधाएं प्राप्त कर सकते हैं। मोबाइल यूनिट के प्रभारी चिकित्सक डॉ. कुमोद रंजन ने बताया कि यह सेवा प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होती है। टीम में वाहन चालक दीपक कुमार और पारावेट सुजीत कुमार शामिल हैं, जो पूरी तत्परता के साथ विभिन्न गांवों में जाकर सेवाएं प्रदान करते हैं।डॉ. रंजन ने बताया कि मोबाइल टीम प्रतिदिन दो गांवों का भ्रमण करती है, जहां पशुओं की जांच कर रोग की प्रकृति के अनुसार दवाइयां लिखी जाती हैं। उन्होंने कहा कि कभी-कभी आवश्यक दवाएं उपलब्ध न होने पर बाहर से मंगानी पड़ती हैं, जिससे उपचार में देरी न हो। मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा के शुरू होने से ग्रामीणों को घर पर ही चिकित्सा सहायता मिलने लगी है। इससे पशुपालकों का समय और पैसा दोनों की बचत हो रही है। साथ ही उन्हें सही और वैज्ञानिक परामर्श भी आसानी से उपलब्ध हो रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि यह सेवा गांवों के लिए अत्यंत लाभदायक साबित हो रही है, क्योंकि दूरस्थ क्षेत्रों में पशु चिकित्सक की उपलब्धता हमेशा संभव नहीं रहती।

जगद्गुरु शंकराचार्य ने गो विधायकों का शपथ ग्रहण कराया, गो विधानसभा जल्द

सुजीत कुमार
पटना (अपना नालंदा)। बुधवार को जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गो संरक्षण के संकल्प को लेकर चयनित गो विधायकों को शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही गो विधानसभा का सत्र बुलाया जाएगा, जिसमें गो संरक्षण एवं सनातनी परंपराओं से जुड़े कई प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर उन्हें पारित किया जाएगा।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति सदियों से देश की मूल पहचान रही है, लेकिन आधुनिक राजनीतिक परिस्थितियों एवं विदेशी प्रभावों के कारण देश अपनी सांस्कृतिक जड़ों से दूर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि संस्कृति, इतिहास और विरासत से दूर होता युवा वर्ग चिंता का विषय है और समाज को अपनी मूलपहचान से फिर से जोड़ना आवश्यक है।

शंकराचार्य ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक नींव में धर्म का विशेष स्थान है और धर्म की शक्ति गो माता में मानी गई है। ऐसे समय में जब देश के विभिन्न हिस्सों में गो हत्या की घटनाएँ सामने आती हैं, तब धर्माचार्यों की जिम्मेदारी है कि वे समाज को जागरूक करें और संरक्षण की दिशा में ठोस प्रयास करें।

उन्होंने जानकारी दी कि 13 सितंबर से 13 अक्टूबर 2025 तक बिहार के सभी जिलों में जन-जागरण कार्यक्रम चलाया गया, जिसके दौरान लगभग 200 विधानसभाओं में गो संरक्षण का संकल्प लेने वाले उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा तथा कुल 5 लाख 86 हजार गो भक्तों का समर्थन दर्ज किया गया।

उन्होंने कहा कि गो विधायकों ने शपथ ग्रहण कर गो माता की रक्षा और सनातनी राजनीति को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया। भविष्य में गो सेना के गठन की भी घोषणा की गई, जो गो संरक्षण के कार्य में सक्रिय रहेगी।

मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

सुजीत कुमार
पटना (अपना नालंदा)। भारत के प्रथम राष्ट्रपति और देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 141वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को राजधानी पटना में राजकीय समारोह आयोजित किया गया। राजेंद्र चौक स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डॉ. प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

माल्यार्पण के उपरांत राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने स्वदेशी कंबल आश्रम की चरखा कात रही महिलाओं के बीच साड़ी वितरण कर उन्हें प्रोत्साहित भी किया। इसके बाद दोनों गणमान्य अतिथि राजेंद्र घाट स्थित समाधि स्थल पहुँचे, जहाँ उन्होंने डॉ. राजेंद्र प्रसाद की समाधि पर पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्यमंत्री मंगल पांडेय, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, विधायक श्याम रजक, विधायक अश्वमेध देवी, विधान पार्षद कुमुद वर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद के आदर्शों, सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों ने आरती पूजन, बिहार गीत और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए, जिससे समारोह का वातावरण पूर्णतः श्रद्धामय और प्रेरणादायी बन गया।

देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर आयोजित यह राजकीय समारोह राष्ट्रनायक के आदर्शों और उनके महान योगदान को स्मरण करने का महत्वपूर्ण अवसर रहा।

प्रधानमंत्री मोदी से ऋतुराज सिन्हा की मुलाकात, बिहार विकास पर हुई विस्तृत चर्चा

सुजीत कुमार
पटना (अपना नालंदा)। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सौहार्दपूर्ण मुलाकात की। बिहार चुनाव उपरांत हुई इस भेंट को उन्होंने अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी बताया। मुलाकात के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को डॉ. आर. के. सिन्हा से प्रेरित पुस्तक 'द एस.आई.एस. स्टोरी' (The S.I.S. Story) भेंट की।

बैठक में बिहार के समग्र विकास, उसकी भविष्यगत संभावनाओं और राज्य निर्माण की दिशा में आवश्यक प्राथमिकताओं पर सार्थक संवाद हुआ। प्रधानमंत्री ने बिहार के तेज़, संतुलित और सर्वसमावेशी विकास के लिए अपने स्पष्ट विज़न को साझा किया। उन्होंने कहा कि राज्य के युवा, कौशल विकास, उद्योगों में निवेश, सड़क व परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, रोजगार सृजन और सुरक्षा तंत्र का आधुनिकीकरण आने वाले वर्षों की प्रमुख आवश्यकताएँ हैं।प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और सुझावों को अत्यंत प्रेरक बताते हुए ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि यह मुलाकात उन्हें आगे और अधिक ऊर्जा तथा प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का संबल प्रदान करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार के सहयोग और राज्य के सामूहिक प्रयासों से बिहार विकास की नई ऊँचाइयों को छू सकता है।सिन्हा ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया प्रोत्साहन उनकी सार्वजनिक सेवा की दिशा में दृढ़ संकल्प को और मजबूत करता है।

आईएएस राज कुमार ने संभाला परिवहन सचिव का पद, विभाग में उत्साह

सुजीत कुमार
पटना (अपना नालंदा)। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2010 बैच के अधिकारी राज कुमार ने बुधवार को बिहार सरकार के परिवहन सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण समारोह के दौरान परिवहन विभाग के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने नए परिवहन सचिव राज कुमार तथा अपर मुख्य सचिव (वर्तमान विकास आयुक्त, बिहार) मिहिर कुमार सिंह का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने नव-नियुक्त परिवहन सचिव को नए दायित्व के लिए शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में विभाग बेहतर उपलब्धियाँ हासिल करेगा। विभागीय अधिकारियों ने भी आशा जताई कि उनके मार्गदर्शन में परिवहन व्यवस्था को अधिक आधुनिक, सुरक्षित और पारदर्शी बनाया जा सकेगा।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद राज कुमार ने विभाग की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि परिवहन विभाग सीधे जनता से जुड़ा हुआ है, इसलिए पारदर्शिता, जवाबदेहीऔर समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने, परिवहन सेवाओं के आधुनिकीकरण और आम लोगों को सुगम सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस कदम उठाने की बात कही।

उन्होंने कहा कि राज्य में सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित परिवहन व्यवस्था विकसित करना विभाग का मुख्य लक्ष्य है, जिसे टीम भावना और समन्वित प्रयासों से ही सफल बनाया जा सकता है।

इस अवसर पर राज्य परिवहन आयुक्त आशुतोष द्विवेदी, अपर सचिव प्रवीण कुमार और कृत्यानंद रंजन, उपसचिव अरुणा कुमारी, अर्चना कुमारी सहित कई विभागीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान नए परिवहन सचिव के नेतृत्व में विभाग के कार्यों में त्वरित गति लाने की उम्मीद भी जताई गई।